छटल मेघ, हाइटेक बनत
पटना संग्रहालयक

मैथिली में
पहिल इ-पेपर

कें द्रो मानलक राज्यक
एजेंसीक लोहा

- पटना, 22 अगस्त,2008
- साप्ताहिक
- अंक- 8
- साल-1
- इनटरनेट संस्करण

समाद

भूस्सी भगाउत बिहारक अनहार

बिजली उत्पादनक सुविधावाला चालिस टा नव मील खोलबाक मंजूरी भेटल

समदिया

पटना : बिहारक मे अनहार आब बेसी दिन नहि अछि। बिहारक अनहार दूर करबा लेल सतत प्रयास भ रहल अछि। नदी क जल स बिजली उत्पादन करबा लेल सरकार प्रयासरत त पहिने स छल, मुदा सौर ऊर्जा क प्रति सेहो रूझान बढ़ी रहल अछि। एहि बीच एकटा आओर नीक समाचार अछि जे सरकार धान भूस्सी स बिजली बनेबा लेल 40टा नव मील खोलबाक स्वीकृति प्रदान केलक अछि।

सहकारिता विभागक अधिकारिक अनुसार राज्य मे आब ओहने मील खुलत जाहि मे बिजली उत्पादनक सुविधा होयत। तत्काल सरकार एहन 40टा मीन खोलबाक मंजूरी देलक अछि। एहि मील मे मील जोकर बिजलीक उत्पादन त हेबे करत, मीलक खपत स बचल बिजली लग-पासक गाम मे देल जाइत। जाहि स गाम मे लघु उद्योग आओर कुटिर उद्योग लेल संभावना बढ़त।

जानकारक अनुसार एकटा गैसीफायर यूनिट युक्त मील खोलबा मे लगभग 20 लाख टका खर्च होयत। एहन मे पूरा योजना पर लगभग आठ करोड़ टका खर्च होयत। जाहि स लगभग 80 मेगावाट बिजलीक उत्पादन संभव भ सकत।

बिहार राज्य विद्युत बोर्ड सेहो मानैत अछि जे एहि योजना स बिजली संकट बहुत हद तक दूर भ जाइत। संगहि मील चलेबा लेल सेहो मील मालिक सब बिहार राज्य विद्युत बोर्डक मूंह नहि देखताह। बिजली विभागक अधिकारी कहैत छथि जे मीलक अपन आवश्यकता नहि रहला पर मील स उत्पादित पूरा बिजली आसपासक इलाका मे देल जाइत। विद्युत बोर्ड एकरा लेल अपन स्तर पर मील तक संचरण लाइन बिछाउत। संगहि बिजली विभाग मील खोलबा लेल प्रोत्साहन द रहल अछि। सरकारक आला अधिकारी तक कहि रहल दथि जे आब बिहार मे बिना गैसीफायर यूनिट क कोनो चाउर मील नहि खुलत। एकरा प्रोत्साहन देबा लेल सरकार एतबा गंभीर अछि जे हर एक मील पर सरकार अनुदानक एकटा पैघ राशि देबा लेल तैयार अछि।

जानकारक अनुसार बिहार मे गंभीर बिजली संकट अछि। आम लोकवेद सब तक बिजली ठीक स नहि पहुंच पाबि रहल अछि। एहन मे गाम आओर चाउर मील तक बिजली पहुंचाइब तत्काल संभव नहि अछि। पहिने स जे मील अछि ओ बिहार राज्य विद्युत बोर्ड पर आश्रित अछि। विद्युत बोर्ड पर आश्रित रहलाक कारण अधिकतर मील या त बंद भ गेल या घाटा मे चलि रहल अछि। सरकार राज्य मे चाउरक भंडारण स सेहो चिंतित अछि। एहि योजना स बिजलीक उत्पादनक संगहि चाउरक भंडरारण सेहो 25 हजार टन तक बढ़ी जाइत। अधिकारी कहैत छथि जे सरकार बिहारक किसान स न्यूनतम समर्थन मूल्य पर चउर किनबा लेल तैयार अछि। एहि लेल 'चावल मील' प्रोत्साहन नामक विस्तृत योजना तैयार कैल गेल अछि। अधिकारी कहैत छथि जे सरकार आब धान खरीदक इच्छुक नहि अछि। एफसीआइ सेहो धानक बदला मे चाउर खरीद पर प्राथमिकता दैत अछि। एहन मे चाउर मील नहि रहला स बिहारक किसान पछुआ जाइत छथि आ अपन धान सरकारी एजेंसी लग नहि बेच पबैत छथि। भारतीय खाद्य निगमक मजबूरी इ अछि जे ओरा लग धान रखबाक समस्या अछि। निगम अधिकारी कहैत छथि जे चाउर त मीड-डे मील आ बीपीएल परिवार तक सस्ता अनाज देबाक योजनाक तहत खर्च भ जाइत अछि, मुदा धान रखबा लेल भंडारणक गंभर समस्या अछि। ताहि लेल निगम धान खरीदबा लेल बेसी इच्छुक नहि रहैत अछि। ओना आब एहि तरहक मील खुललाक बाद बिहारक किसान भारी मात्रा मे चाउर बेच सकता। संगहि किसानक घर मे बिजली सेहो पहुंच जायत। देखबाक अछि इ योजना कयि तक मूर्त रूप लैत अछि।

आब पंचरक दुकानो भ गेल मोबाइल

समदिया

भागलपुर : बिहार मे आब मोटरसाकिल पंचर भेला पर ओकरा ठेलबाक जरूरत नहि रहल। स्टेपनी विहीन गाड़ीक पंचर आब ओहि स्थान पर बनबाक सुविधा उपलब्ध भ गेल अछि। भागलपुर मे एहन सुविधाक शुभारंभ भ चुकल अछि। आन शहर मे सेहो इ सुविधा जल्द शुरू हायत। एहि सुविधाक अंतर्गत जखने अहांक गाड़ी पंचर होइत अछि अहां ओकरा सड़कक कात मे लगा मो सलीम क मोबाइल पंचर दुकानक प्रतीक्षा करब शुरू करि दियउ। किछुए काल मे ओ आबि अहांक गाड़ीक पंचर बना देता। दरअसल मोबाईल पंचरक दुकान चलेबाक विचार मो सलीम क मन मे तखन आयल जखन अतिक्रमण हटाओ अभियानक तहत हटा देल गेल छल। ओकरा बाद ओ एकटा ठेला पर अपन सबटा औजार ल सड़क पर टहल लगला। हुनका देखि आइ अनेक मोबाइल दुकान शहर में घुमैत भटि जाइत।

वैशाली मे बनत 124 करोड़ क लागत स वाटर ट्रिटमेंट प्लांट

बिहार मे बनत देशक पहिल सौर ऊर्जा आधारित पाइनक टंकी

समदिया

हाजीपुर : वैशाली जिला मे व्याप्त पाइनक संकट दूर करबा लेल शीघ्र सौर ऊर्जा आधारित पाइनक टंकी स्थापित काइल जाइत। सौर ऊर्जा पर आधारित देशक इ पहिल पाइनक टंकी होयत। लोक अभियंत्रण विभागक सूत्र कहैत छथि जे जिला मे व्याप्त पाइनक संकटक समाधान लेल सबस पैघ बाधा बिजली छल। सौर ऊर्जा आधारित एहि योजना स ओ बाधा दूर भ जाइत। अधिकारी कहैत छथि जे एहि योजनाक अंतर्गत एक-एक करोड़ टका स दू सौर ऊर्जा आधारित पाइनक टंकी बना रहल छी। एहि मे पांच हार्स पावरक मोटर लागल रहत, जाहि स प्रत्येक घंटा पांच हजार लीटर पाइनक आपूर्ति संभव भ सकत। ऑस्ट्रेलियाक तकनीक पर आधारित एहि सौर ऊर्जा आधारित पाइनक टंकीक

बनलाक बाद न सिर्फ बिजलीक बचत होयत, बल्कि बिजलीक संकटक स्थिति मे पाइनक आपूर्ति कोनो हातले बाधित होयत। विभागक अधिकारी कहैत दथि जे एहि योजनाक अलावा विभाग जिला मे व्याप्त आर्सेनिक युक्त पाइनक समस्याक समाधानक सेहो व्यवस्था करबाक प्रयास मे अछि। आर्सेनिक पाइन हेबाक कारण हजारो लोकवेद विभिन्न बीमारीक शिकार भ चुकल छथि। सरकार एहि समस्याक निदान लेल सेहो एकटा विशेष योजना शुरू करि रहल अछि। पदाधिकारिक कहब छैन जे एहि समस्या क निदान लेल 124.40 करोड़ टका स एकटा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट क स्थापना करबाक निर्णय लेल गेल अछि। एहि प्लांट स गंगा जलक शोधन करलाक बाद लोकवेद लेल पाइनक आपूर्ति भ सकत। राज्य सरकार दूनू प्लांट लेल अपन मंजूरी द देलक अछि। प्लांटक स्थापनाक लेल वैशालीक जिलाक बिदुपुर व देसरी प्रखंड मे जमीन ताकल जा रहल अछि।

छटल उपेक्षाक मेघ, हाइटेक बनत पटना संग्रहालयक

पटना संग्रहालय कै हाइटेक करबाक प्रयास आब मूर्त रूप ल रहल अछि। संग्रहालय मे समुचित रोशनी आओर आधुनिक यंत्र लगेबा लेल सरकार दू करोड़ 64 लाख टकाक आवंटन केलक अछि। एहि टाका स भवन निमार्ण विभाग आओर बिजली विभाग संग्रहालय मे चारि चांद लगेबा लेल तैयार भ चुकल अछि। बिजली उपकरण खरीदबा लेल प्रसिद्ध कंपनी पिलिप्स क चुनाव भ चुकल अछि। जानकारीक अनुसार संग्रहालयक सुरक्षा लेल पिलिप्स इंडिया लि. विशेष प्रकारक रोशनी आ यंत्र संग्रहालय मे लगाउत। एहि मे नाइट विजन कैमरा आ क्लोज सर्किट टीवी, सीटीवी आओर मोनिटर आदि शामिल अछि। सूत्र बतबैत अछि जे पटना संग्रहालय पर आधारित एकटा फिल्मक निमार्ण भ रहल अछि। एहि फिल्म मे पटना संग्रहालय स संबंधित जानकारी आम लोक आओर पर्यटक लोकनि कै देल जाइत। एहि फिल्म मे मुख्य रूप स ओ वस्तुक जानकारी देल जाइत जेकरा सुरक्षा कारण स सब लेल नहि उपलबध कराउल जाइत अछि। ज्ञात हुए कि पटना संग्रहालय बिहार क सबस समृद्ध संग्रहालय अछि। बुद्धक अस्थि कलश आओर मगध आ वैशालीक अनेक अतुल्य कृति एहि संग्रहालय मे राखल अछि। बिहारक सांस्कृतिक आ सामाजिक पहचान एहि संग्रहालय मे संग्रहित अछि।

चंपारणक खेत में उगत विदेशी आलू

समदिया

नरकटियागंज : रूसी रजोस्टा आब चंपारणक खेत मे उगत। रजोस्टा आलूक एकटा उन्नत किस्म अछि, जे रूस मे विकसित भेल आओर बिहारक जलवायु लेल उपयुक्त अछि। मानल जा रहल अछि जे एकर पैदावार स इलाकाक आर्थिक दशा सुधरत, किएक कि रजोस्टाक स्वाद त चटपटा हाइते अछि आओर एकर चिप्स सेहो दुनिया भरि मे सबस बेसी पसंद कैल जाइत अछि। स्थानीय किसान लोकनि क चिप्स निर्माण क्षेत्रक एकटा मल्टीनेशनल कंपनी एकरा लेल प्रोत्साहन द रहल अछि। प्रथम चरण मे उत्तर बिहारक तीन टा जिलाक चुनाव भेल अछि। जाहि मे पश्चिम चंपारण, मुजफ्फरपुर आओर वैशाली शामिल अछि। एहि ठामक माटि विदेशी आलू उगेबा लेल उपयुक्त मानल गेल अछि। आशा काइल जा रहल अछि जे एकर नीक पैदावार होयत। आलूक खेती आओर पैदावारक संभावना क बाद ओकरा लेल बाजार सेहो उपलब्ध कराउज जा रहल अछि। कंपनीक कोलकाता कार्यालयक प्रमुख कहैत छथि जे पश्चिम चंपारणक किसानक संग कंपनी एकटा अनुबंध करत, जाहि स किसान अपन पैदावारक बाजार लेल चिंतित नहि रहताह। एहि संबंध मे वार्ताक लेल चंपारणक किछु किसान पिछला हफ्ता कोलकाता गेल छलाह। कंपनी कम स कम सौ ट्रक लालू कीनबा लेल तैयार अछि। विशेषज्ञक अनुसार एकटा खेत मे आलू आ गन्ना दूनू पैदा भ सकैत अछि, ताहि एकरा स गन्नाक खेती पर कोनो प्रभाव नहि पड़त।

दरभंगा जेल में कैदी सीख रहल छथि कम्प्यूटर

समदिया

दरभंगा : दरभंगा काराक रूप बदलि गेल अछि। कैदी एहि ठाम आब सिलाई, कढ़ाई आओर टाइपिंगक संग-संग कंप्यूटरक प्रशिक्षण ल रहल छथि। अपराधक दुनिया स वास्ता रखनिहार कैदी लोकनि लेल इ विशेष योजना शुरू भेल अछि। कंप्यूटरक प्रशिक्षण देबाक जिम्मेदारी स्थानीय संस्था एलियन कंप्यूटर लेलक अछि। संस्थाक दिस स राजेश कुमार, पवन मांझी बबलू झा आओर श्याम मंडल कैदीक बीच जा हुनका कंप्यूटरक प्रशिक्षण द रहल छथि। संस्थाक सचिव मनोज कुमार डोकानिया कहलथि जे कैदीक बीच जेबा मे पहिने काफी हिचक भेल मुदा कैदी सबस मेलजोर भेला पर लगाल जे ओ अपराधक दुनिया छोड़बा लेल व्यर्ग छथि। कैदी कंप्यूटर सिखबा मे पूरा मन लगा रहल छथि आओर हुनक कहब अछि जे अवसरक अभाव मे लोग अपराधक दुनिया दिस अबैत अछि। अगर अवसर उपलब्ध हो, त के चाहत एहन जिनगी।

पटना-मुजफ्फरपुर सड़क बनत चारि लेन

समदिया

पटना : एनएचडीपी फेज तीनक तहत पटना मुजफ्फरपुर सड़क निर्माण लेल बाधा सब दूर भ रहल अछि। बिहारक खराब छविक कारण पिछला प्रयास सफल नहि भ सकल छल आ एकोटा एजेंसी एहि सड़कक निर्माण लेल सामने नहि आबि रहल छल। मुदा पिछला दू साल मे विभिन्न एजेंसीक अनुभव देख देशक दस टा प्रमुख कंपनी एहि सड़कक निर्माण करवा लेल आगू आयल अछि। भारतीय राजमार्ग प्राधिकरणक अनुसार तेसर बेर आमंत्रित निविदा मे पहिल बेर दस टा पैघ कंपनी एहि सड़कक प्रति जिज्ञासा प्रकट केलक अछि। जाहि स उम्मीद बनल अछि जे एहि सड़कक निर्माण आब शीघ्र शुरू होयत। एनएचएसआइ एकरा लेल बीओटी एन्यूटिक तहत निविदा आमंत्रित केने छल। एनएचएसआइक अधिकारी कहैत छथि जे बरसातक बाद दस मे स छह टा कंपनीक नाम क सूची तैयार करि ओकरा लेल आर्थिक बीड आमंत्रित करब। पदाधिकारीक अनुसार आरएसक्यू क आइल इ कंपनी हाजीपुरक रामाशीष चौक स मुजफ्फरपुर तक चारि लेनक सड़क बनाउत। एहि मे खास गप इ अछि जे चारि लेन एहि सड़क मे मुजफ्फरपुरक बाइपास सेहो सम्मिलित अछि। अधिकारी कहैत छथि जे एहि सड़कक निर्माण मे समय कम लागत किएक त पटना-मुजफ्फरपुरक बीच फोर लेनिंग एलायनमेंट पहिने स भ चुकल छैक। इस सड़क बीओटीक तहत बनाउल जा रहल अछि।

शाबाश!, रमेश पावान

समदिया

छपरा : जखन ग्रह-नक्षत्र ठीक होइत अछि त सब किछु विलक्षण भ जाइत अछि। बिहारक संग किछु एहने भ रहल अछि। छपराक जिलाधिकारिक सुरक्षा गार्ड पिछला हफ्ता किछु एहन प्रतिमान स्थापित कैलथि जे सब चौंक गेल। चौकबाक कारणो छल। अपहरण, लूट आओर चोरी लेल विख्यात बिहार मे एहन उदाहरण देखब आ सुनब कठिन भ गेल छल। सूचनाक अनुसार डीएमक सुरक्षाकर्मी हवलदार रमेश पासवान बैंक पहुंचलाह। हुनका काउंटर पर खसल एकटा लिफाफ भेटल। ओहि लिफाफ मे ड्राफ्ट बनबेबा लेल 25 हजार टकाक छल। सिपाही शत्रुघ्न प्रसाद संग अपन दरमाहा निकालबा लेल बैंक पहुंचल रमेश पासवान तत्काल ओ लिफाफा बैंकक शाखा प्रबंधक लग पहुंचा देलथि। लिफाफ मे राखल पुरजा बता रहल छल जे कियो सहारनपुरक लेल ड्राफ्ट बनेबा लेल बैंक आयल छल आओर घुरती बेर लिफाफा ओकरा स खसि पड़ल। रमेशक इमानदारीक चर्चा पूरा शहर मे चर्चा क विषय बनल अछि, मुदा राष्ट्रीय आओर क्षेत्रीय समाचार पत्र एहन समाचार लेल अपना समय आ जगह एकबेर फेर उपलब्ध नहि केलक। हवलदारक पद पर कार्यरत रमेशक कारनामा स गदगद सारणक जिलाधिकारी कहैत छथि जे रमेश जिलाक संग-संग प्रदेशक छवि बदलवाक प्रतीक छथि। ओ दिन दूर नहि जखन सब गोटे रमेश सन भ जायब।

बदलैत बिहार
हमर नजरि स

पटनाक कंकड़बाग मे स्टेडियम लगभग बनि क तैयार अछि। मुदा ओहि मे खेलबाक योग्यता किछु एहने मैदान मे अभ्यास केला स भेटत

राजगीर मे खुलत पुलिस अकादमी

पटना सम्हारता चारि टा एसपी

समदिया

नई दिल्ली : बिहार पुलिसक कार्यप्रणाली बहुत जल्द बदल-बदल लागत। राज्य पुलिसक प्रशिक्षण लेल सरकार गंभीरता देखेलक अछि। सरकार राज्य पुलिस लेल प्रशिक्षणक व्यवस्था करबाक इंतजाम करि रहल अछि। सरकार राजगीर मे पुलिस अकादमी खोलबाक मंजूरी द देलक अछि। राज्य कैबिनेटक बैठक मे एहि महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सहमति बनल आओर एकरा मंजूरी प्रदान करि देल गेल। राज्य कैबिनेट राजगीर में प्रस्तावित पुलिस अकादमीक आधारभूत संरचना आओर आवश्यक पदक सृजन संबंधी17.98 करोड़ टकाक योजना व्याय पर सेहो मुहर लगा देलक। मंत्रिमंडल सचिवालयक प्रधान सचिव गिरीश शंकरक अनुसार एहि अकादमी मे नव नियुक्त पुलिस अवर निरीक्षरक लोकनि लेल प्रशिक्षणक व्यवस्था रहत। गिरीश शंकरक अनुसार राज्य सरकार बिहार पुलिस आओर बिहार सैन्य पुलिस मे सिपाहीक नियुक्ति लेल चयन प्रक्रिया मे संशोधन करि देल गेल अछि। सरकार एहि पदक नियुक्ति करवा लेल एकटा चयन पर्षदक गठन केलक अछि। चयन पर्षद एहि पद लेल पहिने तीन सौ अंकक लिखित परीक्षा लेत तकरा बाद शारीरिक जांच होयत। एहि पद लेल कम स कम दसवीं पास योज्ञता निर्धारित कैल गेल अछि। ओना शारीरिक योग्यता मे अनु जाति आओर अनु जनजातिक उम्मीदवारक लेल162 सेमी निर्धारित कैल गेल अछि, जखन कि सामान्य कोटि लेल न्यूनतम लंबाई 165 सेमी राखल गेल अछि।

राज्य सरकारक एकटा अन्य महत्वपूर्ण निर्णयक संबंध मे गिरीश शंकर कहैत छथि जे ओना त राजधानी पटनाक विधि व्यवस्था काफी सुधरि गेल अछि, मुदा एकरा और व्यवस्थित करबा लेल सरकार राजधनी में एसपी रैंक क चारि टा अधिकारीक बैसबाक व्यवस्था केलक अछि। अर्थात पटना मे आब वरीय पुलिस अधीक्षकक अलावा चारिटा एसपी हेताह। जाहि मे पटना(पूर्वी), पटना(पश्चिम), पटना(मध्य), पटना (ग्रामीण) शामिल छथि।

कैबिनेटक फैसला

निफ्ट लेल देल गेल 58.65 करोड़

एकर अलावा राज्य सरकार कन्या बाल पोशाक योजनाक अंर्तगत चालू वित्त वर्ष मे कुल 89.29 करोड़ टका स्वीकृत करि देलक अछि। एकरा संग-संग पटना मे प्रस्तावित नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजीक स्थापना लेल 58.64 करोड़ टकाक परियोजना पर विचार करबाक बाद राज्य कैबिनेट द्वारा मंजूरी प्रदान करि देल गेल। ऐही संस्थान लेल पहिल खेपक राशि 27 करोड़ सेहो द दैल गेल, जाहि स संस्थान लेल जमीन आ अन्य आधारभूत संरचनाक काज पूरा भ सकत। आशा कैल जा रहल अछि जे अगलि साल स एहि संस्थान मे पएाई प्रारंभ भ जाइत। राज्य कैबिनेटक अन्य निर्णयक जानकारी दैत गिरीश शंकर कहला जे राजय सरकार पटना सदर मे महिला विकास निगम लेल मुफ्त मे जमीन हस्तानांतरण करबाक प्रसताव पर मुहर लगा देलक। जखन कि सारण आओर नालंदा जिला मे बिजली सब स्टेशनक लेल भूमि हस्तानांतरण संबंधी प्रस्ताव पर सेहो मंजूरीक मुहर लगा देल गेल। राज्य सरकार एकर अलावा एकटा और महत्वपूर्ण निर्णय लेलक अछि। राज्य कैबिनेट महाधिवक्ता सहित सबटा सरकारी वकीलक मानदेय बढ़ेबाक निर्णय पर मुहर लगा देलक अछि। एकरा संगहि स्थायी सलाहाकार स अंशकालीक लिपिक तक क दरमाहा मे बढ़ोतरी भ गेल। प्रस्तावक तहत महाधिवक्ताकै निक शुल्क पांच हजारक स्थान पर आइ हजार करि देल गेल अछि।

तेरहम वित्त आयोग स आओर धन मांगत बिहार

पटना : दक्षिण आओर पश्चिमक राज्य वित्त आयोग स पहिने काफी धन ल चुकल अछि, आब बारी बिहारक अछि। बिहार तेरहम वित्त आयोग पर दबाव बनाउत ताकि राज्य लेल समुचित धन आवंटित भ सकैय। इ कहब अछि बिहारक उपमुख्यमंत्री आओर वित्तमंत्री सुशील कुमार मोदीक। मोदी आद्रीक परिसर मे तेरहम वित्त आयोग लेल प्रस्तावित संयुक्त ज्ञापन पर विभिन्न राजनीतिक दल आओर प्रोफेशनल संगठनक बीच विचार गोष्ठी मे बाजि रहल छलाह। एहि मौका पर मोदीक इच्छाक समर्थन दैत राजदक प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल बारी सिद्दिकी कहलथि जे बारहम वित्त आयोग स सेहो बिहार जेतेक राशि मंगने छल, से नहि भेटल। नव प्रस्ताव में ओकरो जोड़ि लेबाक चाहि। माकपाक प्रदेश सचिव बद्री नारायण लाल कहलथि जे बिहारक बटवारा स राज्यक संसाधन कम भ गेल अछि, ऐहन मे वित्त आयोग स विशेष अनुदान मंगबाक चाहि। एहि मौका पर जलसंसाधन मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव कहलथि जे विकसित राज्य आयोग लग तर्क रखैत छथि जे ओ करक रूप मे बेसी राशि अनैत छथि आओर बिहार सन राज्य राशि खर्च करबा मे असमर्थ होइत आयल अछि, ताहि लेल हुनका अधिक धन चाहि। मुदा आब बिहार मे कर वसूली बढ़ि रहल अछि आ हम राशि खर्च करबा मे समर्थ गेलहुं अछि। आंद्रीक सचिव शैवाल गुप्ता आगत अतिथिक स्वागत करैत कहला जे बिहारक विकास लेल सब गोटेक एकमत होयब जरूरी अछि।

बिहार में भूमि सुधार की शिफारिश

समदिया

नई दिल्ली : बिहार भूमि सुधर आयोग राज्य मे भूमि वितरण के दोषपूर्ण मानलक अछि। आयोग भमि वितरण के ठीक करबा लेल अनेक सुझाव आओर सिफारिश केलक अछि। आयोग स्वीकार करैत अछि जे ठीक स जमीनक बंटवारा नहि भेलाक कारण बिहारक गाम मे भारी पैमाना पर हिंसा होइत आयल अछि। आयोगक कहब अछि जे बिहार मे भूमिक वितरण अन्यायपूर्ण, शोषणमूलक आ सामंति तरीका स भेल अछि। आयोग मानैत अछि जे सरकार अगर हुनक सुझाव आओर सिफारिश माइन लैत अछि, त स्थिति मे व्यापक सुधार देखबा मे भेटत। डी बंधोपाध्यायक अध्यक्षता में गठित आयोग भूमि स जुड़ल लगभग सबटा मुद्दाक आकलन करि चुकल अछि, जाहि मे भूदान आंदोलनक सफल्ता, म्यूटेशन, बटाईदारी अनुबंध कृषि आओर जमीनक प्रशासनक पुनर्व्यवस्था शामिल अछि। सनद रहे कि बंधोपाध्याय पं बंगााल मे भूमि सुधार लेल काफी काज कें छथि। बंधोपाध्याय कहैत छथि जे बिहार ओहि किछु राज्य मे शामिल अछि जे पचासक दशक स भूमि सुधार कानून लागू केने अछि, लेकिन कालांतर मे एहि कानून मे अनेक संशोधन करि देल गेल, जाहि स कानून काफी कमजोर भ गेल आओर इ कानून अपन कोनो प्रभाव नहि देखा सकल। बंधोपाध्यायक अनुसार आयोग बिहार सरकार स सिफारिश करैत अछि जे राज्य में हदबंदी असरदार बनय तकरा लेल राजय मे सबसे निचला पायदान पर बैसल 16.68 लाख कृषि श्रमिक परिवार क हदबंदीक बाद बचल जमीन मे स .66 एकड़ स ल के एक एकड़ तक जमीन आवंटित करि देबाक चाहि। आयोग सरकार क समक्ष इहो सुझाव रखलक अछि जे राज्य क 5.84 लाख गृहहीन गैर कृषि ग्रामीण श्रमिक लोकनि के न्यूनतम दस डेसिमिल भूमि द देल जाए। आयोग किछु दीर्घकालीन उपाय सेहो सुझेलक अछि। जाहि मे कृषि आओर गैर कृषि भूमिक वर्गीकरण के खत्म करब प्रमुख अछि। आयोगक अनुसार भूमि एकहि तरहक भेला स बहुत समस्या स्वत खत्म भ जायत। आयोग जांचक क्रम मे देखलक जे लोक किछु जमीन एक तरहक आओर किछु जमीन दोसर तरहक देखा के हदबंदी कानून स आसानी स बचि जाइत छथि। एक तरहक जमीन भेला स बचब कठिन भ जाइत। आयोगक कहब अछि जे पांच अथवा पांच स बेसी सदस्यवाला परिवार क लेल पंद्रह एकड़ जमीन हदबंदी मे हेबाक चाहि, संगहि धार्मिक प्रतिष्ठानो लेल एतबा जमीन भेटबाक चाहि।

कें द्रो मानलक राज्यक एजेंसीक लोहा

आब आरइओ बनाउत केंद्रीय राशि स 705 टा सड़क

कुमुद सिंह

नई दिल्ली/पटना : बिहार मे कार्य संस्कृति बदलि रहल अछि। सरकारी कार्यालय मे काजक गति आब साफ तौर पर देखबा मे आबि रहल अछि। काज हेबाक कारण आब कर्मचारी आओर पदाधिकारीक कमी सेहो दखबा मे आबि रहल अछि। पहिने त काज होइते नहि छल, त कार्यालय मे पांच टा पद खाली रहय या दस टा, फरक नहि पड़ैत छल, स्थिति त एहन छल से निगम आओर आयोग मे पिछला निदेशक कहिया हटला तकरो स्मरण कर्मचारी लोकनि कैनहि छल। काज शुरू भेल त कर्मचारी ताकल गेल, पता चलल अनेक पद रिक्त अछि। निदेशक सेहो नहि छथि। दू साल स बेसी समय त गुजरि गेल कार्यालय के व्यवस्थित करबा मे। इ कहब अछि, बिहार पुल निगमक एकटा कर्मचारीक। बिहार पुल निगम पिछला साल तक घाटा मे छल, मुदा आइ इ निगम न सिर्फ नफा मे अछि, बल्कि एकटा आदर्शक रूप मे देशक सामने अछि।

जहि बिहार छोट सन सड़कक निर्माणक लेल केंद्रीय एजेंसीक मदद लेल जाइत छल, ओ बिहार आब पूरा बदलि गेल अछि। राज्य एजेंसीक काज मे एतेक बदलाव आइल अछि जे बिहारक जनताक संग-संग केंद्र सरकार तक आब एकरा पर विश्वास करबा मे नहि हिचकिचाइत अछि। राज्य एजेंसीक कार्यप्रणाली स गदगद केंद्र सरकार फैसला लेलक अछि जे आब बिहार मे राज्य एजेंसीक माध्यम स काज करौउल जाइत। अर्थात केंद्र सरकार राज्यक एजेंसी स अपन काज कराउत। केंद्र सरकारक ग्रामीण विकास मंत्रालयक अधीन बनल एंपावर्ड कमेटी अनुशंसा पर केंद्र सरकार बिहार मे प्रस्तावित सड़कक निमार्णक जिम्मा राज्यक ग्रामीण विकास विभाग क अधीन द देलक अछि। राज्यक विभिन्न जिला मे प्रस्तावित एहि सड़कक लेल टका केंद्र सरकार देत आओर सड़कक निमार्ण राज्य सरकारक एजेंसी करत। आधिकारीक सूत्र कहैत छथि जे केंद्र सरकार बिहार मे कुल 2880.443 किमी सड़क बनाउत। 705 टा सड़कक काज राज्य सरकार लग आबि चुकल अछि, जेकरा बनेबा मे कुल 1245.86 करोड़ टका खर्च होयत। आरइओक अनुसार जे सड़क ग्रामीण विकास विभागक जिम्मा मे देल गेल अछि ओहि मे बांकाक 129, औरंगावादक 54, जहानाबादक 48, कटिहारक 60, छपराक 279, पूर्णियाक 84 आओर 51टा भभुआक सड़क शामिल अछि। एहि सड़कक लेल निविदा आओर काज आवंटनक जिम्मेदारी सेहो ग्रामीण विकास विभाग लग अछि। केंद्र सरकारक निर्णय स खुश विभागक सचिव कहैत छथि जे बिहार क एजेंसीक प्रति विश्वास एखन और बढ़त। बिहार मे तंत्र काज करय लागल अछि आओर हम नीक परिणाम द रहल छी। सचिव कहैत छथि जे हमर विभाग लग जे सड़क बनेबाक जिम्मा भेल अछि ओ समय पर गुणवत्ता क संग बनत। ओ कहैत छथि जे केंद्र स टका भेटलाक बाद तुरंत निविदा आमंत्रित करि काजक आवंटन करि देल जाइत। सड़कक भारी संख्या पर ओ कहैत छथि जे एक-एक टा जिला मे दर्जन स बेसी सड़क बनेबाक अछि। डपरा मे त असगर पौने तीन सौ सड़क बनबाक छै। एहन मे सड़कक निर्माण लेल पैकजक व्यवस्था पर विचार करि रहल छी ओना एखन धरि एहि संबंध मे कोनो निर्णय नहि लेल गेल अछि।